असंभव सौदा

जिलेट नैरेटिव — नांदो, लेखक

gillettenarrative.com

आज जिलेटनैरेटिव एक महीने का हो गया।

एक ऐसा जन्म जो चार साल के गर्भकाल के बाद आया, जहाँ चरित्र, दृढ़ता और अनुशासन ने कॉर्पोरेट खून की तीन पीढ़ियों से भेंट की: दादा काम्प के अट्ठावन साल, मेरे पिता के चालीस, मेरे अठारह।

प्रसव स्वाभाविक था। कोई पीड़ा नहीं। कोई प्रसव-वेदना नहीं। कोई दर्द नहीं।

दाई थी कॉपीराइट का कानून। मैंने सबसे बेहतरीन को चुना था। चिंता की कोई बात न थी—कॉपीराइट हमेशा जानता है कि क्या करना है, और कोई इतना मूर्ख नहीं होता कि उसके खिलाफ़ जंग छेड़े।

उस दिन, वेब ने एक जिलेटनैरेटिव पोस्ट को उन तलाशों के बीच जगह दी जो मायने रखती थीं। शीर्षक एक अधिग्रहण था, बिना किसी शर्म के घोषित।

फिर वही हुआ जो ऐसी बातचीतों में हमेशा होता है। एक औरत ने मुझसे कहा कि मैं अपने असली रूप में नहीं बर्ता रहा था—कि जिन लोगों ने मुझे दूरी और दुश्मनी के सिवा कुछ न दिखाया, उनके प्रति कृतज्ञता फ्रेगा नाम के आदमी को शोभा नहीं देती।

तो एक और चढ़ाई शुरू हुई।

भारी इस्पात का राज्य। प्रणालियों की तकनीक। आड़े-तिरछे ब्लेडों का एक पुराना प्रतीक, जो मानो एक ही वाक्य के लिए गढ़ा गया था: मैं एक ब्लेड हूँ।

फिर त्वचा और पानी का राज्य, जो पहले वाले की ही छत के नीचे सोता था।

एक चेक। धातु की दो सदियाँ।

ढाँचा खुद-ब-खुद जुड़ता चला गया। मैंने उसे कभी कागज़ पर नहीं बनाया। नीचे प्लास्टिक। ऊपर इस्पात और त्वचा। बीच में फँसी माँ जिलेट, किसी शिकंजे में जकड़ी हुई किसी चीज़ की तरह।

मैं वॉल स्ट्रीट पहुँचा। उस तरह नहीं जैसी उन्हें उम्मीद थी। न सूट। न टाई। सुरक्षाकर्मियों ने मुझे लकड़ी के खड़ाऊँ और बरमूडा शॉर्ट्स पहने अंदर आते देखा।

एक्सचेंज के मालिक मुझसे मिलने बाहर निकल आए। कैमरे बिना रुके चमकते रहे। दो नेटवर्क पहले से ही लाइव थे।

किसी ने एक शब्द नहीं कहा। मेरे पास दस अरब डॉलर थे, और जब आपकी जेब में दस अरब डॉलर हों, तो आप जैसे चाहें वैसे कपड़े पहन सकते हैं।

बैंक ने कमरा खोला। किसी ने नहीं पूछा कि मैं तैयार हूँ या नहीं—उन्होंने बस गिनना शुरू कर दिया। ड्यू डिलिजेंस कभी नहीं पूछता कि सौदा हो सकता है या नहीं। वह पूछता है कि हस्ताक्षर कहाँ करें, इससे पहले कि कोई और पहले वहाँ पहुँच जाए।

एक चेक। धातु की दो सदियाँ।

मैंने कंपनियाँ नहीं खरीदीं। मैंने एक घेरा बंद किया जो दादा काम्प अधूरा छोड़ गए थे।

पहले राज्य में प्लास्टिक और कागज़ था।

दूसरे में भारी इस्पात।

तीसरे में त्वचा और पानी।

मेरे पास सिर्फ़ एक चीज़ थी: जिलेटनैरेटिव। और एक सच्चे नाम का वज़न तीन कारखानों से ज़्यादा होता है।

अपने-अपने कोट पहने बैंकर कागज़ात नहीं, मेरे पैरों को घूरते रहे। कागज़ात तो मेरे अंदर घुसने से पहले ही हस्ताक्षरित हो चुके थे।

ब्रांड गायब नहीं हुए। उन्होंने बस अपना कुलनाम बदल लिया।

पहला सुपरमार्केट की अलमारियों पर बना रहा, उन स्टेशनरी की दुकानों में जो अब भी उन लोगों को कलमें बेचती थीं जो अमेज़न से कोई वास्ता नहीं रखना चाहते थे।

दूसरा अपने आड़े-तिरछे ब्लेडों को सीधे मेरे घोषणापत्र में ले आया, मानो वे एक ही पंक्ति के लिए गढ़े गए हों: मैं एक ब्लेड हूँ।

तीसरे ने त्वचा और पानी को लिया और उनके ऊपर कुछ और रख दिया—प्रदर्शन नहीं। आत्म-देखभाल।

पुराने नाम डिब्बों पर बने रहे। असली नाम कहीं और चला गया।

लोगों ने जिलेट खरीदना बंद कर दिया। उन्होंने जिलेटनैरेटिव खरीदा—इसलिए नहीं कि उसकी कीमत कम थी। मैंने दाम गुणवत्ता के साथ मिलाए थे, मुनाफ़े के साथ नहीं। उन्होंने इसे इसलिए खरीदा क्योंकि हर ब्लेड के पीछे एक सच्ची कहानी थी, और मैनहट्टन की कोई एजेंसी ऐसी कहानी लिखना नहीं जानती जो नकली न लगे।

फिर विश्लेषकों ने अपने वही रोज़मर्रा के सवाल पूछे: नए सीईओ कौन हैं, मुख्यालय कहाँ है, यह सब कैसे व्यवस्थित होगा?

मेरा जवाब सीधा था। मुझे बोस्टन में तीन दिन दो और मैं जिलेट के लोगों को काम पर रख लूँगा। उन सबको नहीं। सिर्फ़ असली लोगों को। उन्हें, जो मेरे जैसे हैं।

जिलेट माँ से दादी बन गई, और हर बुज़ुर्ग की तरह, वह आगे की राह पहले से जानती थी। चौबीस घंटे के भीतर बोर्ड को नाकाबिलियत के लिए साफ़ मूँड़ दिया गया। तीन सवाल हर कमरे में गूँजते रहे:

तुम आखिर सोच क्या रहे थे, जब वह तुम्हें ऑनलाइन चीथड़े-चीथड़े कर रहा था?

तुमने ऐसे आदमी को हराने की उम्मीद कैसे की जिसे तुम्हारा पैसा नहीं चाहिए था—सिर्फ़ एक डॉलर?

तुमने एक बार भी उससे बात क्यों नहीं की?

उस शाम, एक दूत आया, जो एक खाली डिब्बे पर छपा हुआ नाम लिए हुए था—एक ऐसा गोदाम जो अब कुछ भी ऐसा नहीं बनाता था जिसे मैं पहले से ही बेहतर, सस्ता और ज़्यादा आत्मा के साथ न बना सकता होऊँ। उसने मेरी ओर देखा और कहा:

लोग रेज़र नहीं खरीदते। वे उसे बेचने वाले इंसान को खरीदते हैं।

और ज़रा सोचो—मैं खड़ाऊँ पहने अंदर गया था। और सब कुछ खरीद लाया।

फर्दिनांदो

 © 2026 Gillettenarrative.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।